मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 26, मुंबई, शुक्रवार, 18 फरवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में एक और...
महामारी का खतरा
ठाणे के एक फार्म में बर्ड फ्लू से हुई मुर्गियों की मौत

ठाणे की शाहपुर तहसील के एक फार्म में करीब 200 पोल्ट्री बर्ड्स थी, जिनमें 2, 5 और 10 फरवरी को कुछ की मृत्यु हुई है।

23 हजार से ज्यादा मुर्गियों को मारने की शुरू हुई तैयारी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। कोरोना संक्रमण काल में सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र के लिए एक और चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आ रही है। राज्य सरकार की ओर से गुरुवार को महाराष्ट्र में बर्ड फ्लू फैलने की पुष्टि की गई है। राज्य सरकार के मुताबिक, ठाणे स्थित एक फार्म में कई पोल्ट्री बर्ड्स की एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमित होने के बाद मृत्यु हुई है। पोल्ट्री फार्म के एक किलोमीटर के दायरे में रोकथाम के उपाय किए गए हैं और 23,800 पोल्ट्री बर्ड्स की गिनती की गई है।

जानकारों की माने तो एवियन इन्फ्लूएंजा पक्षियों के बीच बहुत संक्रामक है और गंभीर बीमारी और यहां तक कि खासकर मुर्गी के बीच मौत का कारण बनता है। यही वजह है कि प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में सभी पोल्ट्री पक्षियों और अंडों को नष्ट करना होता है

मुंबई में शुरू हुई देश की पहली वाटर टैक्सी
सिर्फ 15 मिनट में पूरा होगा नवी मुंबई तक का सफर

मुंबई। मुंबई में गुरुवार से देश की पहली वाटर टैक्सी सेवा शुरू हुई है। ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम उद्धव ठाकरे ने मुंबई और नवी मुंबई के बीच इस वाटर टैक्सी सर्विस का उद्घाटन किया है। इसका संचालन मुंबई से नवी मुंबई के बीच होगा। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

200 से 2000 रुपए तक हो सकता है किराया

बप्पी दा पंचतत्व में विलीन

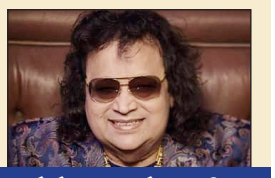
बेटे बप्पा ने बप्पी लहरी को दी मुखाग्नि

मुंबई। दिग्गज सिंगर बप्पी लहरी हमारे बीच नहीं रहे। गुरुवार को विले पार्ले के पवन हंस श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे बप्पा लहरी ने उन्हें मुखाग्नि दी। मंगलवार (15 फरवरी) को रात 11:45 बजे 69 साल की उम्र में बप्पी दा का निधन हो गया था, लेकिन अगले दिन यानी बुधवार को उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका, क्योंकि उनके बेटे बप्पा लहरी अमेरिका में थे और वे देर रात ही मुंबई पहुंचे थे।

मुंबईः 4 साल के बेटे संग ट्रेन के आगे कूदा पिता

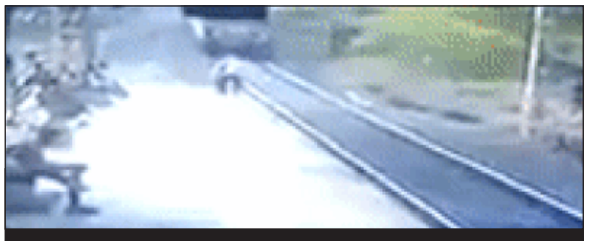

टुकड़े-टुकड़े हुआ पिता और बेटे की बची जान

मुंबई। ठाणे के कल्याण से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आ रही है। यहां एक पिता अपने चार साल के बेटे के साथ जान देने के लिए ट्रेन के सामने कूद गया। इस हादसे में पिता की ट्रेन से कटकर मौके पर ही मौत हो गई, लेकिन पटरियों पर गिरे बेटे को खरोंच भी नहीं आई। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

मृतक की अभी तक नहीं हुई पहचान

कल्याण जीआरपी के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर वाल्मीकि शार्दुल ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से शख्स की बॉडी कई पीस में कट गई है। फिलहाल उसके पास कोई कागज नहीं मिला, इससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है। हमने बच्चे को अभी अपने पास ही रखा है और वह पूरी तरह से फिट है। उसके परिवार के अन्य सदस्यों को खोज बच्चे को उनको सौंप देंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सेल्फी के जोखिम

चलती ट्रेन के सामने खड़े होकर सेल्फी खींचने के दुस्साहस ने गुरुग्राम के चार युवकों की जान ले ली। 20 से 25 साल के ये नौजवान रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर मोबाइल से ऐसी सेल्फी खींच रहे थे कि उनके पीछे आती हुई ट्रेन दिखे। पीछे से आती अजमेर-सराय रोहिल्ला जनशताब्दी ट्रेन की अपनी रफ्तार थी और इसके पहले वे युवक फोटो खींचकर ट्रैक से पीछे हटते ट्रेन उनके ऊपर से गुजर चुकी थी। सेल्फी खींचते हुए जान गंवा देने का यह पहला मामला नहीं है। जोखिम भरी स्थितियों में सेल्फी खिंचवाते हुए जान दे देना अब पूरी दुनिया में दुर्घटनाओं की एक नई कैटेगरी बन चुका है। इसके ताजा अध्ययन तो उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन साल 2018 में जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन ऐंड प्राइमरी केयर ने सेल्फी को लेकर एक अध्ययन किया था। उसने पाया कि 2011 से 2017 के बीच पूरी दुनिया में 259 लोगों की जान सेल्फी लेते समय चली गई। दुर्भाग्य से, इनमें आधे से ज्यादा मामले भारत के ही हैं। उसके बाद रूस, अमेरिका और पाकिस्तान का नंबर आता है। यह अध्ययन अखबारों में छपी खबरों के आधार पर किया गया था, जिसका एक मतलब यह भी है कि ऐसी जानलेवा दुर्घटनाओं की वास्तविक संख्या कहीं ज्यादा हो सकती है। फिर, उन घटनाओं को हम नहीं जानते, जिनमें ऐसा जोखिम लेते हुए लोग बाल-बाल बचे होंगे या घायल हुए होंगे। भारत में सेल्फी दुर्घटनाएं इतनी ज्यादा क्यों होती हैं, इसे लेकर मनोवैज्ञानिकों ने कई अनुमान लगाए हैं। एक तो यह कहा जाता है कि स्मार्टफोन ने पहली बार हर खास-ओ-आम के हाथ में कैमरा उपलब्ध करा दिया है। जो तस्वीर पहले कुछ खास मौकों पर ही खींची जा सकती थी, उसे अब कोई किसी भी क्षण खींच सकता है। इसलिए भारत में मोबाइल कैमरे से फोटो खींचने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। तकरीबन हर सार्वजनिक या निजी जगह पर, हर सार्वजनिक या निजी समारोह में लोग फोटो खींचते और सेल्फी लेते मिल जाएंगे। दूसरा कारण यह है कि स्मार्टफोन आगमन के बाद शुरू हुए सोशल मीडिया को दुनिया के जिन देशों ने तेजी से अपनाया, उनमें भारत भी शामिल है। पूरी दुनिया में जिसे सेल्फी की दीवानगी कहा जाता है, उसे दरअसल इस सोशल मीडिया ने ही बढ़ावा दिया है। यह ऐसा मीडिया है, जिससे करोड़ों लोग जुड़े हैं, जिनमें लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने की एक स्पर्द्धा जैसी होती है। एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ में लोग अपनी अजूबी सेल्फी खींचने की कोशिश करते हैं और अक्सर इसके लिए किसी भी स्तर का जोखिम लेने को तैयार हो जाते हैं। इस समय यह पूरी दुनिया में चिंता का विषय है कि इस चलन को रोका कैसे जाए? ऑस्ट्रेलिया ने तो बाकायदा सेल्फी पर एक एडवाइजरी भी जारी की है। कई जगहों पर दुर्घटना की आशंका वाले इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। कुंभ के दौरान भी इस तरह के बोर्ड लगाए गए थे। भारत के पर्यटन मंत्रालय और मुंबई पुलिस ने ऐसी खतरे वाली जगहों की पहचान भी की है। एक सुझाव यह भी है कि जैसे समुद्र तटों पर सुरक्षा गार्ड होते हैं, वैसे ही गार्ड रेलवे स्टेशनों पर भी नियुक्त किए जाएं। इस मामले में जागरूकता पैदा करना और ऐसे विषय को बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल करने का तरीका भी अपनाया जा सकता है। किसी भी तरह इस चलन को रोकना ही होगा।

महंगाई और विकास का दोहरा संकट

अगर सरकार तेल की कीमतें कम रखने के लिए शुल्क में कमी करती है तो उससे विकास दर प्रभावित होगी। ध्यान रहे इस साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मान लिया है कि विकास दर सिर्फ सरकारी खर्च से बढ़ सकती है। निजी निवेश को लेकर बजट में ज्यादा कुछ नहीं कहा गया है और न निजीकरण का कोई लंबा-चौड़ा लक्ष्य तय किया गया। उलटे पिछले साल के एक लाख 75 हजार करोड़ के लक्ष्य को घटा कर 78 हजार करोड़ कर दिया गया है और वह भी एलआईसी में हिस्सेदारी बेच कर हासिल होगा।

भारत सरकार ने जनवरी महीने का महंगाई का आंकड़ा जारी किया है और उससे ठीक पहले भारतीय रिजर्व बैंक ने अगले वित्त वर्ष का विकास का अनुमान जाहिर किया। जनवरी में खुदरा महंगाई 6.01 फीसदी रही। रिजर्व बैंक के मुताबिक महंगाई का आंकड़ा अगर चार से छह फीसदी के बीच है तो चिंता की बात नहीं है। सात महीने बाद पहली बार खुदरा महंगाई का आंकड़ा छह फीसदी से ऊपर गया है। भले मामूली सा ही लेकिन यह आंकड़ा आरबीआई की सीमा को पार कर गया है। यह आंकड़ा दो कारणों से चिंताजनक है। पहला कारण तो यह है कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही यानी जनवरी-मार्च के बीच महंगाई दर 5.7 फीसदी रहने का अनुमान जाहिर किया है। अगर पहले महीने में ही मुद्रास्फीति की दर छह फीसदी से ऊपर है तो जाहिर तौर पर अगले दो महीने में इस पर ज्यादा नियंत्रण की जरूरत होगी। दूसरा कारण यह है कि जनवरी के महीने में खाने-पीने की चीजों की महंगाई में 1.40 फीसदी बढ़ी है।

पिछले साल दिसंबर में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर की 4.05 फीसदी थी, जो जनवरी में बढ़ कर 5.43 फीसदी हो गई। खुदरा महंगाई में सबसे मुख्य कारक खाद्य वस्तुओं की महंगाई होती है। दूध और सब्जी से लेकर मांस-मछली और दाल-तेल सबकी कीमत इसमें शामिल होती है। इन वस्तुओं की महंगाई देश के सबसे गरीब आदमी को भी प्रभावित करती है इसलिए इसका असर सबसे व्यापक होता है। दूसरी ओर पिछले करीब 10 महीने से थोक महंगाई दर दहाई में है और एक समय तो यह 14 फीसदी के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। थोक और खुदरा दोनों महंगाई दर के ऊंचा रहने के बावजूद रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 में महंगाई दर साढ़े चार फीसदी रहने का अनुमान जताया है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि खुद रिजर्व बैंक को ही इस अनुमान पर भरोसा नहीं है। अगर रिजर्व बैंक को इस अनुमान पर भरोसा होता तो वह महंगाई का हवाला देकर नीतिगत ब्याज दरों को जस का तस नहीं रखती। रिजर्व बैंक ने इस साल की पहली मौद्रिक समीक्षा नीति की बैठक में नीतिगत दरों यानी रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट को स्थिर रखा है। लगातार 10वीं बार रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक को अभी महंगाई दर स्थिर होने की संभावना नहीं दिख रही है। अगर आने वाले दिनों में महंगाई कम होने की संभावना दिख रही होती तो रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कमी करता क्योंकि सरकार के सामने विकास दर बढ़ाने की भी चिंता है। ध्यान रहे इस साल की पहली मौद्रिक समीक्षा नीति में केंद्रीय बैंक ने अगले वित्त वर्ष में विकास दर 7.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। सोचें, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल जो आर्थिक सर्वेक्षण संसद में रखा है उसमें सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 में विकास दर आठ से साढ़े आठ फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जबकि केंद्रीय बैंक को लग रहा है कि विकास दर 7.8 फीसदी रहेगी। दोनों के अनुमान में बहुत बड़ा फर्क है।

कह सकते हैं कि रिजर्व बैंक अतिरिक्त सावधानी बरत रहा है इसलिए उसने महंगाई की आशंका में नीतिगत ब्याज दरों को नहीं बढ़ाया है और विकास दर आठ फीसदी से नीचे रहने का अनुमान जताया है। लेकिन क्या केंद्रीय बैंक का ऐसा सोचना बिना किसी आधार के है? नहीं। रिजर्व बैंक की सावधानी देश और दुनिया के हालातों की वजह से है। आरबीआई की चिंता का सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। इस हफ्ते एक बैरल कच्चे तेल की कीमत सात साल के सबसे ऊंचे स्तर, 93 डॉलर पहुंच गई है। यूक्रेन और रूस के बीच तनाव बढ़ा है और किसी भी वक्त युद्ध छिड़ने का अंदेशा है तो उधर सऊदी अरब पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले के बाद खाड़ी देशों में अलग अशांति बढ़ी है। तेल उत्पादक और निर्यातक देशों के समूह ओपेक ने निकट भविष्य में उत्पादन बढ़ाने की संभावना से इनकार किया है। सो, अगर कच्चे तेल की कीमतें कम नहीं होती हैं और भारत में चल रहे पांच राज्यों का चुनाव खत्म होने के बाद तेल की कीमतों में इजाफा शुरू होता है तो महंगाई काबू में करने की सारी कोशिशें बेमानी हो जाएंगी। महंगाई तभी काबू में आएगी, जब या तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत सुधरे या सरकार कीमतों का बोझ आम लोगों पर नहीं पड़ने दे। आम लोगों पर तेल की कीमतों का बोझ न पड़े इसके लिए सरकार को उस पर लगने वाले शुल्क में कमी करनी होगी या पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों को बोझ उठाने के लिए तैयार करना होगा। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों के अलावा एक कारण यह भी है कि कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने के बाद आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, इससे भी महंगाई बढ़ सकती है और तीसरा कारण यह है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई विकसित देशों में महंगाई रिकॉर्ड ऊंचाई है। इसका भी असर भारत में होगा।

अगर सरकार तेल की कीमतें कम रखने के लिए शुल्क में कमी करती है तो उससे विकास दर प्रभावित होगी। ध्यान रहे इस साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मान लिया है कि विकास दर सिर्फ सरकारी खर्च से बढ़ सकती है। निजी निवेश को लेकर बजट में ज्यादा कुछ नहीं कहा गया है और न निजीकरण का कोई लंबा-चौड़ा लक्ष्य तय किया गया। उलटे पिछले साल के एक लाख 75 हजार करोड़ के लक्ष्य को घटा कर 78 हजार करोड़ कर दिया गया है और वह भी एलआईसी में हिस्सेदारी बेच कर हासिल होगा। इसके उलट पूंजीगत खर्च में 35 फीसदी इजाफा करके साढ़े सात लाख करोड़ रुपया खर्च करने का दावा किया गया है। हालांकि इसमें राज्यों को दिया जाने वाला एक लाख करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त कर्ज भी शामिल है। अगर उसे हटा दें तो पूंजीगत खर्च साढ़े छह लाख करोड़ रुपए होगा, जो पिछले साल के संशोधित अनुमान से सिर्फ 50 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। इसके बावजूद साढ़े छह लाख करोड़ रुपए के खर्च करने के लिए सरकार के पास पैसा होना जरूरी है। तभी तेल की कीमतों पर राहत की उम्मीद कम है। सो, महंगाई काबू में रखने और विकास दर बढ़ाने का दोहरा लक्ष्य हासिल करना मुश्किल दिख रहा है। महंगाई काबू में रखने का अतिरिक्त प्रयास होता है तो विकास ठहरा रहेगा और विकास दर बढ़ने दिया गया तो साथ साथ महंगाई भी बढ़ेगी। ऐसी सांप-छुछंदर वाली स्थिति में सरकार को चाहिए कि वह आम लोगों के हाथ में ज्यादा से ज्यादा नकद पैसा पहुंचाने के इंतजाम करे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्राणियों की जीव हरण करने वाली बंदूक बनाने वाले दो लोगों को कासरवडावली पुलिस ने किया गिरफ्तार

10 बंदूकें 11 कारतूस समेत बंदूक बनाने के औजार बरामद

संवाददाता/समद खान

ठाणे। 16 फरवरी बुधवार को थाने पुलिस आयुक्तालय के पुलिस उपायुक्त जोन 5 के विनायक कुमार राठौड़ द्वारा ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कसरवाडावली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश वाघ शेट्टी को 15 फरवरी मंगलवार को खबरी द्वारा गुप्त सूचना मिली के कुछ लोग बंदूके बेचने के लिए आ रहे हैं इस मामले में डिटेक्शन ब्रांच के पीएसआई सचिन सरडे और उनकी टीम ने थाना घोड़बंदर गायमुख परिसर मैं अपना जाल बिछा कर एक व्यक्ति को धर दबोचा जो बंदूके बेचने के लिए आया था उसकी तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से दो बंदूकें और चार कारतूस बरामद किया गिरफ्तार किया आरोपी का नाम दयानंद सुदाम भंडागे वर्ष 42 रहवासी पुमन भागपाड़ा पोस्ट कामन वसई तालुका पालघर का बताया जा रहा है इस व्यक्ति से कथित तौर पर पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चंद्रदेव वसंतलाल सरोज वर्ष 41 रहवासी गोरागंज वसई पूर्व का बताया जा रहा है और मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है इस आरोपी को जाल बिछाकर पुलिस ने गिरफ्तार किया और यह आरोपी के घर पर छापेमारी की छापेमारी के दौरान आरोपी के घर से 8 बंदूकें और 7 कारतूस और बंदूकें बनाने वाली ड्रिल मशीन और तमाम औजार बरामद किए इनके दोनों आरोपी के पास से पुलिस ने कुल मिलाकर 10 बंदूकें और 11 कारतूस और बंदूक बनाने वाली तमाम मशीनें और एक लोहे का कोयता बरामद किया इन लोगों के पास किसी तरह का बंदूक लाइसेंस पुलिस ने बरामद नहीं किया और इन दोनों आरोपियों के विरुद्ध में भारतीय दंड संहिता सीआर नंबर 54/2022 और कलम 3 आर्म्स एक्ट 25 और कलम 37(1)135 के तहत मामला दर्ज किया इस मामले में जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त द्वारा यह बताया जा रहा है कि जो बंदूके बरामद और कारतूस पुलिस द्वारा बरामद किया गया है उसकी कीमत 53 हजार रुपए बताई जा रही है वह शिकार में प्राणियों की जीव हरण करने के लिए इस्तेमाल की जाती है गौरतलब बात यह है कि वन विभाग द्वारा प्राणियों के शिकार करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है तो फिर यह बंदूके किसके कहने पर भारी मात्रा में बनाए जा रही थी यह बंदूकों को कितने में बेचा जा रहा था और इनका खरीदार कौन है यह बंदूक बनाने का गैरकानूनी धंधा इन लोगों द्वारा कब से किया जा रहा है यह तमाम सवाल हैं जो पुलिस की छानबीन में पता चलेगा लेकिन पुलिस ने इसमें कोई बड़ा रैकेट चलाने वालों की पुष्टि नहीं की है फिलहाल कसरवाडावली पुलिस स्टेशन इस मामले में आगे छानबीन कर रही है।

धारावी में गैंगवार में हुई हत्या के मामले में महिला समेत सात गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के धारावी इलाके में गोली मारकर एक व्यक्ति की हत्या के मामले में एक महिला समेत कम से कम सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि धारावी क्षेत्र में 'के कंपनी' गिरोह के दबदबे को कायम करने के उद्देश्य से आमिर अनीस खान को गोली मारी गई थी। अधिकारी ने कहा कि दो व्यक्तियों ने 12 फरवरी की सुबह शौच के दौरान खान को कथित तौर पर गोली मारी। अधिकारी ने कहा कि खान की एक अन्य स्थानीय गिरोह के साथ दुश्मनी थी जो इलाके में अपना दबदबा कायम करना चाहता था। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान मुंबई अपराध शाखा की इकाई-पांच ने संदिग्धों के पुराने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया खातों की पड़ताल की। गोपनीय सूचना के आधार पर, एक

आरोपी को गुजरात के सूरत से गिरफ्तार किया गया जबकि एक महिला समेत पांच अन्य को मुम्ब्रा, कुर्ला और वडाला से पकड़ा गया। अधिकारी ने कहा कि पूछताछ में सामने आया कि 'के कंपनी' गिरोह के सरगना कलीम रउफ सय्यद ने खान को मारने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि सय्यद मादक पदार्थ के एक मामले में पहले से जेल में है और उस पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के तहत मामला दर्ज है। पुलिस उपायुक्त (अनुसंधान) नीलोत्पल ने बताया कि पिछले साल एक अदालत में सुनवाई के दौरान मुख्य आरोपी ने अपने साथियों के साथ हत्या की साजिश रची और उन्होंने अलीगढ़ तथा कोलकाता से असलहे प्राप्त किये। अधिकारी ने कहा कि घटना के दिन, दो व्यक्तियों ने धारावी में खान को गोली मारी और अपराध करने के बाद मोटरसाइकिल पर भाग निकले। आरोपियों के पास से दो पिस्तौल, एक देसी तमंचा और 15 गोलियां बरामद की गईं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा ने हत्या के मामले में आगे की जांच के लिए सय्यद को जेल से अपनी हिरासत में लिया है।

बदनामी के बाद नौकरी से निकाले गए 65 पुलिसकर्मी, मुंबई पुलिस का ऑपरेशन क्लीन

मुंबई। एंटीलिया कांड और मनसुख हिरेन मर्डर की वजह से पिछले साल मुंबई पुलिस कितनी बदनाम हुई, यह किसी से छिपा नहीं है। सचिन वाझे, सुनील माने, रियाज काजी की इस केस में गिरफ्तारी हुई और उन्हें नौकरी से भी निकाल दिया गया। पुलिस वालों के खिलाफ कार्रवाई इस केस तक ही सीमित नहीं रही। साल, 2021 में कुल 65 पुलिस वालों को नौकरी से निकाला गया। इनमें 32 पुलिस वालों को डिसमिस किया गया, जबकि 33 को सर्विस से रिमूव किया गय। कुछ सूत्रों के अनुसार, डिसमिसल विभागीय जांच के बाद किया जाता है, जिसमें लंबा वक्त जाता है, जबकि रिमूवल में सीआरपीसी के सेक्शन 311 (2) के तहत डीजी रैंक के अधिकारी को किसी पुलिस वाले को डिसमिस करने का अधिकार होता है। पिछले साल, 81 पुलिसवालों को निलंबित किया गया और 2437 पुलिस वालों पर विभागीय कार्रवाई की गई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में एक और महामारी का खतरा

संक्रमण की पुष्टि के बाद प्रोटोकॉल के अनुसार सभी को मारने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, राज्य सरकार ने लोगों से नहीं घबराने की अपील की है। महाराष्ट्र की तरह ही केरल में भी बर्ड फ्लू फैलने की जानकारी मिली है। वहां भी हजारों मुर्गियों को मारने का काम शुरू किया गया है। पशुपालन आयुक्त सचिंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक, ठाणे की शाहपुर तहसील के एक फार्म में करीब 200 पोल्ट्री बर्ड्स थी, जिनमें 2, 5 और 10 फरवरी को कुछ की मृत्यु हुई है। हालांकि, फार्म की ओर से शुरू में मौतों की सूचना प्रशासन को नहीं दी गई। 10 फरवरी को मुर्गियों की मौत की सूचना के बाद 11 और 13 फरवरी को नमूने एकत्र किए गए और पुणे में पशुपालन विभाग के रोग जांच विभाग में जांच के लिए भेजा गया। यहीं सैंपल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भोपाल को भी भेजे गए। सचिंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि लैब से रिपोर्ट बुधवार रात को ही मिली, जिसमें बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। हालांकि, गांव के आसपास कोई झील या तालाब नहीं है, जिस वजह से यहां प्रवासी पक्षी आते हो। ऐसे में अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे है कि यह घातक वायरस कैसे पोल्ट्री फार्म तक पहुंचा। प्रशासन ने स्थिति का आकलन करने के लिए अधिकारियों की एक टीम मौके पर भेजी है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अधिकारी अलर्ट है। स्वच्छता के उपाय भी किए जा रहे हैं। सिंह ने कहा कि इसे फैलने से रोकने के लिए सभी मूवमेंट को रोक दिया गया है, जिससे यह इसी क्षेत्र तक सीमित रहे। जानकारों की माने तो एवियन इन्फ्लूएंजा पक्षियों के बीच बहुत संक्रामक है और गंभीर बीमारी और यहां तक कि खासकर मुर्गी के बीच मौत का कारण बनता है। यही वजह है कि प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में सभी पोल्ट्री पक्षियों और अंडों को नष्ट करना होता है। आमतौर पर सरकार इससे प्रभावित लोगों को मुआवजा देती है। हालांकि, जानकार कहते हैं कि ठीक से पका हुआ चिकन खाने के लिए सुरक्षित होता है।

मुंबई में शुरू हुई देश की पहली वाटर टैक्सी

इसके शुरू होने से दोनों शहरों के बीच की दूरी और समय में 75% की कटौती हो जाएगी। यानी आप सिर्फ 15 मिनट में मुंबई से नवी मुंबई पहुंच सकते हैं। पहले यह वाटर वे सर्विस मार्च 2021 में शुरू होने वाली थी, परंतु संक्रमण की दूसरी लहर को देखते हुए इसे उस समय शुरू नहीं किया जा सका। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड और सिडको द्वारा संयुक्त रूप से संचालित इस वाटर टैक्सी सेवा का लोकार्पण पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होना था। हालांकि, बाद में यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। इस टैक्सी सेवा को संचालित करने का लाइसेंस दो निजी कंपनियों-इन्फिनिटी हार्बर सर्विसेज एलएलपी और वेस्ट कोस्ट मरीन को सौंपा गया है। सीएम उद्धव ठाकरे के अलावा इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों सबार्नंद सोनोवाल, डिप्टी सीएम अजीत पवार, मंत्री एकनाथ शिंदे और असलम शेख में मौजूद थे। देश की पहली वाटर टैक्सी शुरू करने के लिए मुंबई को चुनने पर सीएम ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री सोनोवाल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा पहली ट्रेन सेवा मुंबई से ठाणे के बीच चली और अब पहली वाटर टैक्सी सर्विस भी यही से शुरू हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में शुरू की गई सर्विस पूरे देश में स्वीकार की जाती है। समुद्र के महत्व को समझते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज ने कई किलों और द्वीप का निर्माण इसके किनारे किया। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह वाटर टैक्सी एलीफेंटा गुफाओं तक भी जाएगी। वाटर टैक्सी मुंबई से एलिफेंटा और जेएनपीटी तक 15 मिनट में और मुंबई से बेलापुर, नेरुल, वाशी और रीवास तक लगभग 25-30 मिनट में यात्रा करेगी।

मुंबईः 4 साल के बेटे संग ट्रेन के आगे कूदा पिता

घटना मुंबई से सटे विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन पर बुधवार शाम 6.08 मिनट पर हुई है। यहां सामने से आ रही तेज रफ्तार डेक्कन क्वीन ट्रेन के आगे एक पिता अपने बच्चे के साथ कूद गया। यह पूरी घटना प्लेटफार्म नंबर 4 पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

जनहित सूचना

- जब आप पोलिंग बूथ पर पहुंचते हैं और पाते हैं कि आपका नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो बस अपना आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र दिखाएं और धारा 49 ए के तहत 'चुनौती वोट' मांगें और अपना वोट डालें।
- यदि आप पाते हैं कि किसी ने आपका वोट पहले ही डाल दिया है, तो 'टेंडर वोट' मांगें और अपना वोट डालें।
- यदि कोई भी पोलिंग बूथ 14% से अधिक टेंडर वोट रिकॉर्ड करता है, तो ऐसे पोलिंग बूथ में पुनर्मतदान किया जाएगा।
- कृपया यह बहुत महत्वपूर्ण संदेश अधिकतम समूहों और दोस्तों के साथ साझा करें क्योंकि सभी को इसके बारे में पता होना चाहिए।

बुलढाणा जिले में 39 बाल विवाह रोके गए

बाल विवाह कराने में 10 से अधिक लोगों पर अपराध दर्ज

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। विगत डेढ़-दो वर्ष से जिले में कोरोना के कारण विविध प्रतिबंध लगाए गए। इसका अनुचित लाभ उठाकर ग्रामीण क्षेत्र में बाल विवाह का प्रमाण बढ़ा है। प्रशासन ने जनवरी 2021 से फरवरी 2022 की अवधि में 39 बाल विवाह रोकने में सफल रहा है। जिले में बाल विवाह करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए मामले दर्ज किए गए। ऐसे में कई बाल विवाह होने की संभावना है। एक तरफ केंद्र सरकार लड़की की विवाह की उम्र 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने की फिराक में है, वहीं दूसरी ओर जिले में लड़की का विवाह 18 वर्ष पूर्ण होने से पूर्व ही कर किया जा रहा हैं। प्रशासन ने नियुक्त की गांव समितियों को प्रशिक्षण देने के बाद भी यह समितियां एक्टिव नहीं है ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र में नाबालिग लड़कियों का विवाह रोकना जरूरी है। जिले में जनवरी तथा फरवरी 2021 से जनवरी 2022 तक 39 बाल विवाह रोक दिए गए। महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने पिछले एक साल में 10 से अधिक लोगों के खिलाफ चार बाल विवाह कराने का मामला दर्ज किया है। बाल विवाह को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें लगातार जागरूकता फैला रही हैं। इसके बावजूद बुलडाना जिले में बाल विवाह के कई मामले सामने आ रहे हैं।

बिहारियों को अपमानित करना बंद करो क्योंकि एक बिहारी सौ पर भारी : लक्ष्मी सिन्हा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव महिला प्रकोष्ठ श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि इतिहास गवाह है की बिहारयूपी के लोगों ने मेहनत और श्रम साधना से देशदुनिया में खुशहाली, समृद्धि और तरक्की लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।बिहारियों की बदौलत ही पंजाब के खेतों में हरियाली आती है श्रीमती सिन्हा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी एक चुनावी सभा में प्रियंका गांधी की उपस्थिति में यूपी, बिहार एवं दिल्ली में रहने वालों को अपमानजनक ढंग से भइये कहकर संदर्भित किया। उनको बाहर वाला बतलाया एवं पंजाबियों से उनको पंजाब में न घुसने देने का आग्रह किया। चन्नी के इस अनगल प्रलाप को प्रियंका गांधी न केवल सुन रही थी बल्कि ताली बजा कर प्रोत्साहित भी कर रही थी। या कांग्रेस का क्षेत्र एवं प्रदेश के आधार पर दुराग्रह है। यूपी वालों का अपमान पूर्व में राहुल गांधी भी कर चुके हैं। अमेठी से पिछले चुनावों में पराजित होने के पश्चात उन्होंने वहां के मतदाताओं के मानसिक स्तर को निम्न श्रेणी का बतलाया था। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि आज कुछ उसी तरह का व्यवहार उनकी बहन प्रियंका गांधी का था। दरअसल, पराजित होने पर यह लोग मानसिक संतुलन

खो देते हैं। प्रियंका गांधी को स्पष्ट रूप से पता है कि यूपी में उनकी पार्टी शून्य पर सिमट रही है, इसलिए वह बौखलाई हुई है एवं अपने ही अपमान पर ताली बजा कर खुश हो रही हैं। या यह भी हो सकता है कि वह चन्नी की बातों का मतलब समझ ही न सकी हो नासमझी में ताली बजा दी हो। यूपी व बिहार के विषय में हल्के शब्द बोलने वाले चन्नी को शायद यह पता नहीं है की भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं लोकनायक स्व. जयप्रकाश नारायण बिहार के ही थे। उनको यह भी नहीं पता है कि यूपी ने ही आठ प्रधानमंत्री दिए हैं। मोदी जी भी यूपी से ही जीते हैं। उनके दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी भी यूपी से ही सांसद हैं। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि अपमानजनक टिप्पणी के लिए उन्हें बिहार एवं यूपी के जनता से माफी मांगनी चाहिए।

भोजपुरी सिनेमा बना भारत का नंबर 1 भोजपुरी चैनल

भारत का प्रीमियर भोजपुरी मनोरंजन चैनल 'भोजपुरी सिनेमा' एक अद्भुत उपलब्धि हासिल करते हुए महीनों से नंबर 1 भोजपुरी चैनल के रूप में चार्ट में सबसे ऊपर है। जी बाइस्कोप, बी4यू भोजपुरी, जी गंगा, फिल्मची भोजपुरी, भोजपुरी धमाका ढिशुम और दबंग जैसे कई भोजपुरी टीवी चैनल्स को पीछे छोड़ते हुए भोजपुरी सिनेमा भारत का सर्वश्रेष्ठ चैनल बन गया है। यह चैनल अपने दर्शकों के लिए मनोरंजन का बेहतरीन तड़का प्रदान करने में सबसे आगे है। भोजपुरी सिनेमा ने न सिर्फ 77 जीआरपी लाकर अपना नंबर 1 स्थान बनाए रखते हुए देश भर और भोजपुरी भाषी राज्यों में जीआरपी रेटिंग में एक तूफान ला दिया है, बल्कि रेटिंग में लगातार वृद्धि और गति दिखाते हुए और नंबर 1 और नंबर 2 के बीच के फर्क को दोगुना कर दिया है। बता दें कि जनवरी के महीने में जी बाइस्कोप चैनल 48 GRP ही ला सका है। भोजपुरी सिनेमा चैनल कुल मिलाकर पूरे भारत में पिछले 8 हफ्तों में दर्शकों की संख्या और इसे देखने के समय में बढ़ोतरी को बरकरार रखे हुए है। जनवरी के पहले सप्ताह की तुलना में 14% की वृद्धि, दिसंबर के पहले सप्ताह की तुलना में 13% की वृद्धि और नवंबर के महीने के समान डेटा की तुलना में 22% की वृद्धि हुई है। यह चैनल पिछले कुछ हफ्तों में अपने प्रतिस्पर्धी चैनल्स के बीच अंतर को बड़े मार्जिन से बढ़ाने में कामयाब रहा है। भोजपुरी सिनेमा और इसके प्रतिस्पर्धियों के बीच वृद्धि और विकास के मार्जिन का अंतर लगभग दोगुना है। भोजपुरी सिनेमा चैनल न सिर्फ भोजपुरी की कुछ सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को प्रसारित कर रहा है, बल्कि दर्शकों की पसंद का ख्याल रखते हुए विशेष मौकों और त्योहारों पर भी कुछ अलग किस्म के खास कार्यक्रमों को भी पेश करता रहा है। 2022 के लिए भी यहां फिल्मों और कार्यक्रमों की एक बड़ी सूची है। जहाँ जनवरी में कुछ बड़ी फिल्मे चैनल पर दिखाई गई, वहीं फरवरी में भी मनोज तिवारी और दिनेश लाल यादव निरहुआ का जन्मदिन मनाते हुए उनकी सुपरहिट

BHOJPURI CINEMA

फिल्मों को प्रसारित किया गया, साथ ही वैलेंटाइन डे के समय चैनल पर रोमांस का उत्सव मनाते हुए एक से बढ़कर एक रोमांटिक फिल्मे दिखाई गईं। यह चैनल का कंटेंट ही है जिसकी वजह से यह चैनल भोजपुरी भाषा ऑडियंस के बीच राज कर रहा है। एंटर10 के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष सिंघल ने भोजपुरी सिनेमा चैनल की इस चौंकाने वाली उपलब्धि को लेकर कहा, मुझे यह मुकाम हासिल करने और इसे बनाए रखने के लिए बहुत खुशी हो रही है। भोजपुरी के मनोरंजन बाजार में हमारा चैनल काफी आगे बढ़ गया है। हमें दर्शकों की पसंद और नापसंद की गहरी समझ होने पर बहुत गर्व होता है, इस वजह से हम ऑडियंस की मांग को पूरा करने में कामयाबी हासिल करते हैं। एक चैनल के रूप में, हमने हमेशा अव्यवस्था को दूर करने की दिशा में काम किया है। अपने कंटेंट और नई फिल्मों की रिलीज के साथ, भोजपुरी क्षेत्रों में मनोरंजन के सीन को हमने बदल दिया है और भोजपुरी सिनेमा को भारत में सबसे अधिक देखा जाने वाला भोजपुरी चैनल बना दिया है। बता दें कि भोजपुरी सिनेमा चैनल 24 घंटे का भोजपुरी भाषा का सैटेलाइट फिल्मी चैनल है। भोजपुरी सिनेमा चैनल फ्री डिश-28, डी2एच-2075, टाटा स्काई-1119, एयरटेल डिजिटल टीवी-661, डिश टीवी-1554, डेन 841GTPL-279, हैथवे-649, सिटी केबल-215, फास्ट वे नेटवर्क-452, सन डायरेक्ट-714 और भारत में अन्य केबल नेटवर्क पर उपलब्ध है। यह चैनल एंटर 10 टेलीविजन प्राइवेट लिमिटेड का हिस्सा है।

रेटिंग स्रोतः बीएआरसी, अवधिः जनवरी 2022, टीजीः 2+ यूनिवर्स, मार्केटः बिहार + झारखंड जीआरपी

नियमों का पालन कर शिव जयंती मनाएं: प्रल्हाद काटकर

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर राज्य सरकार ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन नियमों का पालन करते हुए शहर और जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई जानी चाहिए। इस तरह की अपील शहर थाने के पुलिस निरीक्षक प्रह्लाद काटकर ने 14 फरवरी को शिव जयंती के अवसर पर थाने में हुई बैठक में की हैं। आगे बोलते हुए थानेदार काटकर ने कहा कि 19 फरवरी को पूरे राज्य में शिव जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। हालांकि, कोरोना जैसी चल रही महामारी के चलते राज्य सरकार ने त्योहार के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई जानी चाहिए। और यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी गतिविधि के माध्यम से कोई प्रतिबंध न लगे। इस तरह की अपील उन्होंने मीटिंग के माध्यम से की है। इस बैठक में मुख्याधिकारी गणेश पांडे, उपतहसीलदार अमरसिंह पवार आदि उपस्थित थे।

हजरत ख्वाजा गनी शाह र.अ. के उर्स का पोस्टर का विमोचन हुआ

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद, आमेट। हजरत ख्वाजा अब्दुल रज्जाक गनी शाह साहब रहमतुल्लाह का तीसरा उर्स मुबारक बड़े ही अकीदत के साथ में फतहनगर मनाया जा रहा है जिसका पोस्टर का विमोचन आज आमेट में मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार द्वारा किया गया जिसमें अमीर मोहम्मद सोरगर, सलीम मोहम्मद मंसूरी,सदीक मोहम्मद उर्फ लाला मंसूरी आदि द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया प्रोग्राम के मुताबिक इक्कीस फरवरी को बाद नमाज जोहर चादर शरीफ का जुलूस एवं परचम कुशाई की जाएगी इसी दिन

महफिले मिलाद एवं कव्वाली का आयोजन किया जाएगा जिसमे हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल सदाकत साबरी कपासन एवं फनकार हाजी हिफुजूरह्मान कोटा अपने कलाम पेश करेंगे एवं मुकरी रे खुसुसी सूफी निसार अहमद रजा बासनी नागौर, जेरे निगरानी अल्लामा मौलाना कारी मोहम्मद यामीन साहब इमाम जामा मस्जिद फतहनगर, जेरे कयादत अल्लामा मौलाना मोइनुद्दीन साहब इमाम कच्ची बस्ती फतेहनगर,जेरे सदारत अल्लामा मौलाना तौसीफ रजा साहब इमाम हीरावास,नातखा बुलबुले बागे मदीना जावेद रजा कादरी नागौर शिरकत करेंगे। 22 फरवरी दोपहर कुल की रस्म अदा की जाएगी एवम दरगाह कमेटी द्वारा आम निवाज दावते आम (लँगर) का आयोजन रहेगा।

मुंबई में दो दिन से कोरोना से कोई मौत नहीं

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी हो गई है। मरीजों की संख्या घटने के साथ ही रोग से होने वाली मौतें भी घटी हैं। पिछले दो दिनों में कोरोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। इसे महामारी के अंत की शुरूआत माना जा रहा है। कोरोना से किसी मरीज की मौत न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। बुधवार को कोरोना के 255 नए केस दर्ज हुए हैं। इनमें 91 फीसद यानी 232 मरीज बगैर लक्षण वाले हैं। कुल मरीजों में से केवल 23 मरीजों को ही अस्पताल में भर्ती किया गया है। पीडितों की संख्या घटने से जम्बो सेंटर समेत अस्पतालों के बेड खाली होने लगे हैं। इस वजह से बीएमसी कुछ जम्बो सेंटरों को बंद करने या उनके अन्य कामों में इस्तेमाल करने की योजना पर काम कर रही है। नवंबर-दिसंबर से मुंबई में कोरोना की तीसरी लहर की शुरूआत हुई। इस लहर के दौरान एक दिन में अधिकतम करीब 21 हजार केस दर्ज हुए हैं। प्रशासन की सतर्कता की वजह से जल्द ही तीसरी लहर को रोकने में स्वास्थ्य विभाग को सफलता मिल गई। कोरोना की तीसरी लहर को कुछ दिनों में ही काबू पा लेने के पीछे बड़ी संख्या में लोगों के टीकाकरण को माना जा रहा है।

पहली पत्नी के रहते क्या दूसरी पत्नी है पेंशन की हकदार?

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि यदि पहली शादी को कानूनी तौर पर खत्म किए बिना ही दूसरा विवाह किया गया हो, तो दूसरी पत्नी अपने मृतक पति की पेंशन की हकदार नहीं हो सकती है। न्यायमूर्ति एस.जे. काथावाला और न्यायमूर्ति जाधव की पीठ ने सोलापुर निवासी शामल टाटे की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने पेंशन का लाभ देने से सरकार के इनकार को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, शामल के पति महादेव सोलापुर जिला कलेक्टर कार्यालय में चपरासी पद पर कार्यरत थे। उनका निधन 1996 में हो गया। महादेव ने जब दूसरी पत्नी से शादी की थी, उस वक्त वह शादीशुदा थे। महादेव की पहली पत्नी के कैंसर के कारण मर जाने के बाद दूसरी पत्नी टाटे ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि महादेव की बाकी पेंशन का उसे तत्काल भुगतान किया जाए।

राज्य सरकार ने 4 अर्जियां की खारिज

राज्य सरकार ने काफी विचार विमर्श के बाद टाटे की ओर से 2007 और 2014 के बीच दी गई चार अर्जियों को खारिज कर दिया था। उसके बाद टाटे ने 2019 में हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनकी दलील दी थी कि वह महादेव के तीन बच्चों की मां है और समाज में इस शादी के बारे में पता है। पहली पत्नी के मर जाने के बाद वह पेंशन पाने की हकदार है।

सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का दिया हवाला

पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला दिया था, जिसमें इसने कहा था कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत जब तक पहली शादी को कानूनी तौर पर खत्म नहीं किया जाता है, तब तक दूसरी शादी वैध नहीं होती। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता को पेंशन नहीं देने का राज्य सरकार का फैसला सही था। राज्य सरकार ने कहा था कि केवल कानूनी तौर पर वैध पत्नी ही पेंशन की हकदार है। इसी के साथ ही कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खुद की विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीतियों पर काम कर रहे 11 राज्य : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि गुजरात, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति रखने वाला एकमात्र राज्य था, के अलावा अब पूर्वोत्तर के राज्यों सहित 11 और राज्य अपनी-अपनी विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीतियां तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में अलग-अलग क्षमताएं हैं, लेकिन वे सभी अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और एसटीआई पारिस्थितिकी तंत्र जैसे क्षेत्रों में केंद्र के साथ संयुक्त रूप से काम करने के लिए बोर्ड पर हैं। पिछले चार महीनों के विचार-मंथन सत्रों के बाद, सिक्किम, मणिपुर और अरुणाचल सहित 11 और राज्य शामिल हैं। प्रदेश अपनी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कहा गया है, जहां तकनीकी हस्तक्षेप आम आदमी के जीवन को आसान बनाने के लिए विविध समस्याओं को हल करने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, जम्मू और कश्मीर की केंद्र शासित प्रदेश सरकार को नवीनतम बर्फ समाशोधन तकनीक के माध्यम से सहायता प्रदान की जाएगी, जबकि पुडुचेरी और तमिलनाडु को समुद्र-समुद्र तट की बहाली और नवीनीकरण में सहायता की जा रही है। सिंह यहां पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय मुख्यालय पृथ्वी भवन में सभी विज्ञान मंत्रालयों और विज्ञान विभागों की एक उच्चस्तरीय संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

सभी मनुष्य समान रूप से परमात्मा की संतान हैं: अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में सन्त श्री रविदास जी की 645 वीं जयन्ती पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 361 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि सन्त रविदास जी ने दलित समाज में समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता हैं। उस समय की कुरीतियों व जातपात के विरुद्ध संघर्ष किया। सुल्तान सिकन्दर लोदी ने उन्हें मुसलमान बनाने के लिए बहुत प्रयास व दबाव बनाए लेकिन वह झुके नहीं उनका मानना था कि वेद धर्म सबसे बड़ा हैं मैं इस्लाम स्वीकार नहीं कर सकता। मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार आर्य (निदेशक,स्वदेशी आयुर्वेद हरिद्वार) ने कहा कि सन्त रविदास जी वेदों के अनुगामी थे,

उन्होंने उसे ही प्राथमिकता दी और कोई समझौता नहीं किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि आज सन्त रविदास जी के जीवन व बलिदान से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। अत्याचार सहे पर धर्म नहीं छोड़ा। आज भी वही परिस्थिति बन रही है जिससे सजक रहने की आवश्यकता है। हमें जातपांत -प्रांतवाद की सोच से ऊपर उठकर सोचना होगा क्योंकि सभी मनुष्य समान हैं और परमात्मा की सन्तान हैं। अध्यक्ष धर्मपाल आर्य (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष परिषद) व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सन्त रविदास जी की शिक्षाओं को आत्मसात करने का आह्वान किया। गायिका कमला हंस, प्रतिभा कटारिया, ईश्वर देवी, रजनी चुघ, रविन्द्र गुप्ता, कुसुम भंडारी, संध्या पांडेय, चंद्र कांता आर्या, विजय खुल्लर आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किए! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

इंडस सिंधु ऑर्गनाइजेशन की मातृ पितृ पूजन दिवस मुहिम सफल रहीः नितिन कालरा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। समाजसेवी नितिन कालरा की संस्था इंडस सिंधु ऑर्गनाइजेशन द्वारा 14 फरवरी पर वेलेंटाइन डे नहीं मना कर मातृ पितृ पूजन दिवस मनाने की मुहिम को देश भर में सकारात्मक परिणाम मिले। कालरा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि बहुत स्कूलों और सामाजिक सस्थाओ, धार्मिक संस्थाओं एवं दरबरों ने इसमें अपनी भागीदारी अर्जित की और युवा पीढ़ी तक ना सिर्फ इस संदेश को पहुंचाया अपितु कार्यक्रम का आयोजन कर इससे विधिवत मनाया भी।इसके लिए कालरा ने सभी का आभार व्यक्त किया और इस दैवी कार्य में सहभागी बनने के लिए धन्यवाद किया। मातृ पितृ पूजन दिवस एक मुहिम ना हो कर एक विचार हैं जिसे आगे बढ़ाने में हमें सहभागी बनना चाहिए! अगर हम अपनी युवा पीढ़ी का भविष्य उज्वल देखना चाहते हैं। सनातन संस्कृति और सनातनी संतो की इस पहल को आगे बढ़ाने में कालरा खुद को सिर्फ निमित मात्र ही समझते हैं। मुंबई हलचल का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कालरा ने कहा कि मीडिया की इसमें अहम भूमिका रही और जन जन तक संदेश पहुंचने के लिए इस मुहिम से जुड़ने के लिए सभी मीडिया बंधुओ का धन्यवाद जताया। कालरा ने राष्ट्रीय स्वंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद,भाजपा विशेष कर भाजपा सिंधी प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश एवं संयोजक भारत वाटवानी, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद एवं निदेशक डॉ. अकील अहमद, इंद्रप्रस्थ सिंधी यूथ महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती कामना रमानी एवं कई अन्य सामाजिक कार्यकताओं का व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद किया जिन्होंने इस मुहिम को आगे बढ़ाने और व्यापक करने में सहयोग प्रदान किया। कालरा ने आगे बताया कि विशेषकर माता पिता को अपनी अपनी संतान को पाश्चात्य संस्कृति के अवसरों को भुलाकर सनातन धर्म के पर्वों को सदैव मनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रदेश प्रवक्ता सह जिला अध्यक्ष मधुबनी मशकूर आलम की अध्यक्षता में अप्रशिक्षित शिक्षकों की एक बैठक वाटसन मध्य विद्यालय मधुबनी के प्रांगण में आयोजन किया गया

मधुबनी। मधुबनी वाटसन मध्य बिधालय के प्रांगन में बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता सह जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने कहा के अप्रशिक्षित शिक्षकों का 19,20 माह से वेतन भुगतान नहीं होने के कारण परिवार की स्थिति दयनीय हो गई है शिक्षक और परिवार के समझ भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है परिवार का भाषण भरण पोषण करने के लिए शिक्षकों के समक्ष भीख मांगने की स्थिति उत्पन्न हो गई है जहां करो ना काल में बिहार सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार की मदद की वहीं यह शिक्षक इस लाभ से अछूते रहे सरकार ने इस शिक्षकों को मदद करना मुनासिब नहीं समझा जब लोग शिक्षक पद पर पदस्थापित हो जाते हैं तब उन्हें यह ए पी एल कैटेगरी में डाल दिया जाता है और सरकार के द्वारा गरीबों को दी जा रही सरकारी सुविधाओं से वंचित कर दिया जाता है उनको जन वितरण प्रणाली से राशन किरासन इंद्रावास मिलने वाली सुविधाओं से भी वंचित कर दिया जाता है इस परिस्थिति में वेतन का भुगतान नहीं होने से अप्रशिक्षित शिक्षक अपने परिवार का भरण पोषण किस तरह कर रहे होंगे आप भली-भांति समझ रहे हैं उन्होंने आगे कहा कि बिहार के कई जिलों में अप्रशिक्षित शिक्षकों पर पदमुक्त की कार्रवाई चल रही है अगर इसी तरह से कार्रवाई चलती रही तो संघ बाध्य होकर बिहार के सभी जिलों में धरना प्रदर्शन करेगी। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना मधुबनी से मांग किया कि मधुबनी जिला के अंतर्गत जितने भी अप्रशिक्षित शिक्षक हैं उन पर किसी तरह की विभागीय कार्रवाई नहीं की जाए उन्होंने कहा कि सी डब्लू जे सी 16214/2019 में दिनांक 14 .7. 2021 को पारित आदेश में माननीय उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी भी अप्रशिक्षित शिक्षकों को पद से मुक्त नहीं किया जा सकता है वही सीडब्ल्यू जैसी 4938/2021 में दिनांक 16.04.2021 को पारित आदेश में माननीय उच्च न्यायालय ने कहा है कि अप्रशिक्षित शिक्षक सेवा में

यथास्थिति बने रहेंगे वही सी डब्ल्यू जे सी संख्या 4471/ 2021 में सुनवाई करते हुए माननीय उच्च न्यायालय 15.4. 2021 को या आदेश पारित किया कि अप्रशिक्षित शिक्षक सेवा में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश पारित किया वही सीडब्ल्यू जैसी संख्या 3402 / 2021 में 8 .04. 2021 को माननीय उच्च न्यायालय ने यह आदेश पारित किया अप्रशिक्षित शिक्षक यथावत सेवा में बने रहेंगे उनका वेतन भी भुगतान किया जाए हम जिला शिक्षा पदाधिकारी मधुबनी को अवगत कराना चाहते हैं कि मधुबनी जिला में जितने भी अप्रशिक्षित शिक्षक हैं उन्होंने अपना केस माननीय उच्च न्यायालय में दर्ज करा चुके हैं वर्ष 2020 से करोना महामारी के वजह से कोर्ट सूचारू रूप से नहीं चलने के कारण माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आदेश पारित नहीं किया गया श्रीमान को सूचना देना चाहूंगा कि माननीय उच्च न्यायालय पटना ने सी डब्ल्यू जे सी 16214/ 2019 के साथ मधुबनी जिले के सभी अप्रशिक्षित शिक्षकों का केस लिंक कर दिया है अतः श्रीमान से निवेदन है कि जब तक सी डब्ल्यू जे सी नंबर16 214/ 2019 एवं उनके साथ लिंक केसों में माननीय उच्च न्यायालय पटना का अंतरिम आदेश नहीं आ जाता तब तक जिले में किसी भी अप्रशिक्षित शिक्षकों पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करने की कृपा करेंगे साथ ही उनके वेतन भुगतान करने हेतु अग्रेतर कार्रवाई करेंगे अगर विभागीय पदाधिकारी के द्वारा किसी भी अप्रशिक्षित शिक्षक पर कार्रवाई की गई तो जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना मधुबनी के कार्यालय के प्रांगण में धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी सारी जबाबदेही विभाग की होगी आज के बैठक में नीलम भारती, बुशरा प्रवीण साइना परवीन, शांति कुमारी, मोहम्मद अली, मोहम्मद सलीम अनवरी बेगम आयशा खातून, सायला आफरीन पूनम कुमारी, मोहम्मद इमामुल हक, जिलेबी मोची, मेहनाज बेगम, मोनू यादव,शबनम परवीन, नूर सबा नवीन कुमार, फरीदा खातून,रोशन खातून ,शबाना खातून जरीना खातून, शिव शंकर राम, सुनीता कुमारी, अंजना कुमारी, मुन्नी लाल यादव, विभा कुमारी, साधना मिश्रा, अफसाना प्रवीण, मोहम्मद नसीर उल हक सरिता देवी मीना देवी आबिदा नोमानी मोहम्मद कमाल ,मोनू यादव अन्य शिक्षकों ने अपनी अपनी बात को बैठक में रखा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरा धोते समय रखें इन बातों का ध्यान

चेहरा धोना शरीर की साफ-सफाई का सबसे अहम हिस्सा है। लंबे समय से लोग अपना चेहरा धोने के लिए कोई न कोई पारंपरिक उत्पाद प्रयोग करते रहे। समय बदला और आज लोग और फेसवॉश जैसी चीजें इस्तेमाल करने लगे हैं जिनमें रसायनों का काफी प्रयोग होता है। इसलिए वक्त है कि हम जान लें चेहरा धोने के दौरान कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए।

अपनी त्वचा के अनुसार चुनें

चेहरे की त्वचा बहुत मुलायम होती है इसके बावजूद हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है। जरूरी नहीं कि जो साबुन या फेसवॉश किसी और को सही लगा वह आपको भी फायदा करेगा। इसलिए ऐसी चीज चुनें जो हल्के असर वाली हो। एक गलतफहमी है कि जितना झाग निकलेगा चेहरा उतना साफ होगा। पर है इसका उलटा, ज्यादा झाग निकलने का मतलब इसमें डिटरजेंट कंटेंट ज्यादा है जो आपकी मुलायम स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

पानी न ज्यादा ठंडा

न ज्यादा गरम

जिस पानी से हम अपना चेहरा धोने जा रहे हैं उसका तापमान संतुलित होना चाहिए। उसे न तो बहुत ज्यादा गरम और न बहुत ठंडा होना चाहिए। ऐसा न होने पर चेहरे की त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है।

मेकअप हटाने के लिए फेसवॉश नहीं

मेकअप हटाने के लिए फेसवॉश की जगह रिमूवर या अच्छे मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें। इसके बाद फेसवॉश लगाएं। कुछ लोग क्लेंजर, टोनर फिर मॉइचराइजर लगाते हैं।

जरूरी नहीं दूध, दही वास्तव में कारगर हों

कुछ लोग बाजार से फेसवॉश खरीदने की जगह घर पर दही और दूध से चेहरा साफ करते हैं। लेकिन कभी-कभी इनसे चेहरा ठीक से साफ नहीं होता और ब्लैक हेड की समस्या हो जाती है। साबुन भी अच्छा विकल्प नहीं है क्योंकि उनका पीएच बैलेंस्ड नहीं रहता है। कोई भी नया फेसवॉश कोई और प्रॉडक्ट इस्तेमाल करने से पहले उसे अपने कान के पीछे की त्वचा पर लगा कर 48-72 घंटे तक देखना चाहिए। अगर यह आपको नुकसान नहीं पहुंचाता तो इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

ओट्स आपकी स्किन को बनाएं हेल्थी और ब्यूटीफुल

ओट्स या जई सेहत के लिहाज से सुपरफूड के नाम से जाने जाते हैं। इनके बारे में कहा जाता है कि ओट्स का चूरा या ओट मील खाने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या नर्वस सिस्टम की परेशानियां सभी चीजों में राहत मिलती है। लेकिन ओट्स जितने आपके सेहत के लिए फायदेमंद हैं उतने ही आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा सकते हैं, बशर्ते आपको इनका सही इस्तेमाल आता हो।

आपकी स्किन का ग्लो लौटाते हैं

धूप, धूल और धुएं के वार से हमारी स्किन खासकर चेहरे को बहुत नुकसान पहुंचता है। यह रूखी और बेजान सी हो जाती है। इससे ही चलकर बाद में खुजली और इन्फेक्शन की समस्या पैदा होती है। लेकिन अगर हम अपने किचन में मौजूद सुपरफूड ओट्स से एक ब्यूटी पैक बनाएं और उसे चेहरे पर लगाएं तो न केवल हमारी स्किन की चमक वापस लौटेगी बल्कि वह और स्वस्थ हो जाएगी।

कैसे बनाएं यह ब्यूटी पैक

एक कप सूखे ओट्स को ग्राइंडर में पीसने के बाद उसे गरम पानी से भरे बाथटब में डालिए। पानी में अपनी पसंद का रोज, चंदन या लैवेंडर ऑइल डालिए। अब इस पानी में 10 से 15 मिनट बैठिए। पानी से बाहर निकल कर नरम तौलिए से शरीर पोंछिए। हफ्ते में दो बार ऐसा करें।

बेहतरीन स्किन क्लैंजर है ओट्स

अपने रूखेपन की वजह से ओट्स बहुत अच्छे स्क्रब साबित होते हैं। इसलिए अपने फेस वॉश से चेहरा साफ करने या पार्लर जाकर केमिकल फेस वॉश का इस्तेमाल करने से अच्छा है कि आप अपने घर पर ही यह स्क्रब बनाएं।

इसके लिए आप एक टेबलस्पून दही में एक टेबलस्पून ओट्स पाउडर मिलाएं। कुछ बूंदे शहद की डाल कर एक पेस्ट बनाएं। इसे अपने चेहरे पर 15 मिनटों के लिए लगाएं इसके बाद गुनगुने पानी से धो डालें। आप इसमें दही की जगह एक टेबलस्पून दूध, कुछ शहद और ऑलिव ऑइल मिलाकर पेस्ट बनाएं। ध्यान रहे कि ओट्स को बहुत बारीक न पीसें वरना उचित लाभ नहीं मिलेगा।

जानिए कौन सा तेल है खास आपके बालों के लिए

बचपन से हमारी मां, दादी या नानी हमें बालों में तेल लगाने के लिए कहते आए हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते गए हमें यह बीते जमाने की बात लगने लगी, पर दरअसल ऐसा है नहीं। आज वैज्ञानिक भी बालों में तेल लगाने के फायदों का जिक्र करने लगे हैं। पर यह जानना ज्यादा जरूरी है कि आपके बालों के हिसाब से कौन सा तेल आपके लिए ज्यादा फायदेमंद है। जब हम अपने सिर में तेल की मालिश करते हैं तो तेल हमारे सिर की त्वचा में अंदर तक जाता है। इससे तेल हमारे बालों की जड़ों तक पहुंचता है और जड़ से अंतिम सिरे तक बालों को पोषण मिलता है। मालिश से हमारे सिर में खून का संचार बढ़ता है जिससे बाल मजबूत होते हैं। अब आइए जानते हैं कि अलग-अलग किस्म के बालों के लिए कौन सा तेल बेहतर है:

हल्के बालों के लिए वर्जिन कोकोनट ऑइल

जिन लोगों के बाल हल्के होते हैं उन्हें ऐसे तेल की जरूरत होती है जो ज्यादा चिपचिपा और भारी न हो, क्योंकि ऐसा तेल लगाने से हल्के बाल आपस में चिपक जाते हैं। इसलिए हल्के बालों के लिए वर्जिन कोकोनट ऑइल या रोजमैरी ऑइल अच्छा माना जाता है। यह हल्का है साथ ही चिपचिपा भी नहीं है इससे यह आपके बालों को बिना आपस में चिपकाए उन्हें पूरा पोषण देता है।

मोटे बालों के लिए ऑलिव ऑइल

ऑलिव ऑइल में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट और ओमेगा-3 फैटी एसिड मोटे बालों में चमक लाते हैं और उन्हें और भारी बनाकर आपका लुक नहीं खराब करते।

घुंघराले बालों के लिए बादाम तेल

बादाम के तेल में विटमिन ए, बी और ई बहुत अधिक मात्रा में होते हैं इसलिए ये आपके घुंघराले बालों के लिए एक दम परफेक्ट है। यह दोमुंहे बालों की समस्या को दूर करता है, ब्लड सकुर्लेशन बढ़ाता है, बालों में चमक लाता है।

बेजान बालों के लिए अनार के बीजों का तेल

अनार के बीजों में ट्राइकोसैनिक एसिड होता है जो बेजान बालों में नई चमक और लचीलापन लाता है। इसे लगातार लगाने से बाल चमकदार और स्वस्थ बनते हैं।

चेहरे से ऐसे हटाएं डार्क स्पॉट्स

डार्क स्पॉट्स या ब्लैक स्पॉट्स काले, भूरे या लाल रंग के धब्बे होते हैं जो चेहरे से लेकर हाथ-पैरों तक पर रहते हैं। ये आपकी खूबसूरती को तो कम करते ही हैं, स्किन की हेल्थ भी गिराते हैं, लेकिन घर बैठे कम समय में इनका सलूशन करना मुमकिन है। आप अपने किचन में रखी चीजों से ही डार्क स्पॉट्स से निजात पा सकते हैं। इनकी मदद से डार्क स्पॉट्स तो घटेंगे ही, स्किन ग्लो करने लगेगी और हेल्दी रहेगी।

नींबू का रस

नींबू के रस की ऐसिडिटी ब्लीचिंग एजेंट का काम करती है और चेहरे के अलग-अलग कलर्स को बराबर करता है। इसके लिए कॉटन बॉल से दिन में दो बार नींबू का रस लगाएं। हालांकि, पहले टेस्ट कर लें कि कहीं नींबू के रस के लिए आपकी स्किन सेंसिटिव तो नहीं।

एलोवेरा

एलोवरा की पत्ती को अपने चेहरे पर लगाएं। इसमें ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो आपकी स्किन के लिए अच्छे होते हैं।

आलू

आलू के स्लाइस काट लें और फिर निशान पर रख दें। कुछ मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। आलू को शहद में मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इससे भी स्पॉट्स घटते हैं।

डेयरी प्रॉडक्ट

यॉगर्ट या बटरमिल्क जैसे प्रॉडक्ट्स में मौजूद ऐसिड से स्किन एक्सफोलिएट होती है। इसे लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो दें। चार चम्मच बटरमिल्क में दो चम्मच टमाटर का रस डालें। इन्हें चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद धो दें।

हल्दी

दो चम्मच, थोड़े से दूध और नींबू के रास को मिलाकर स्पॉट्स के ऊपर लगाएं। कुछ मिनट बाद गुनगुने पानी से धो दें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, शुक्रवार, 18 फरवरी, 2022

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

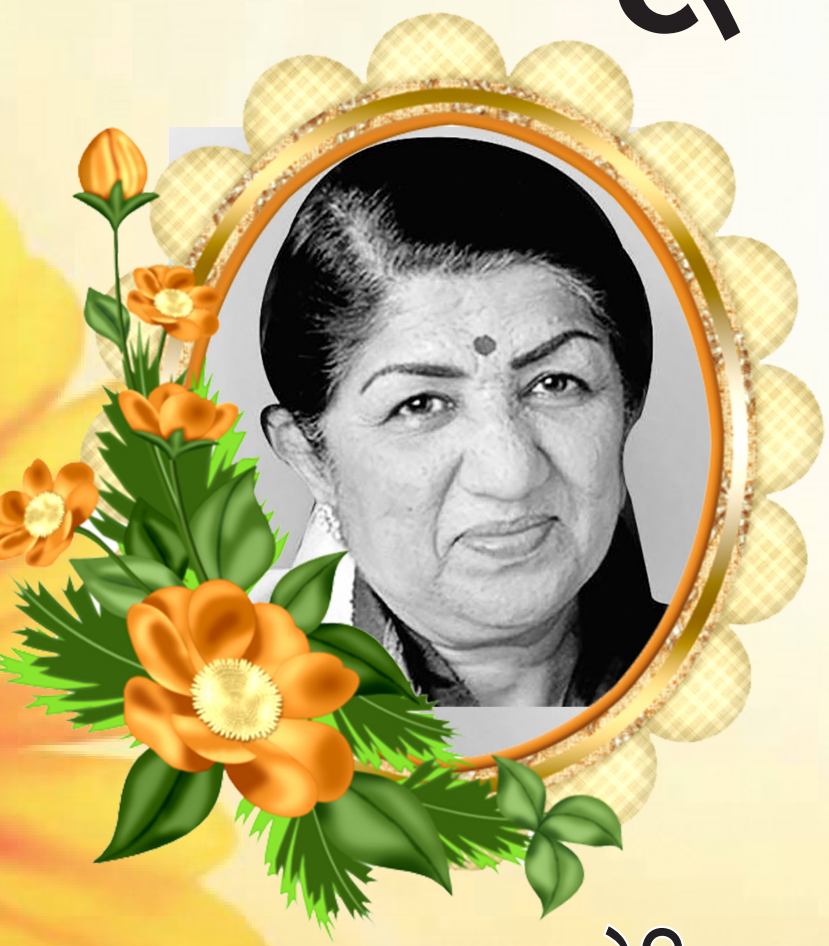

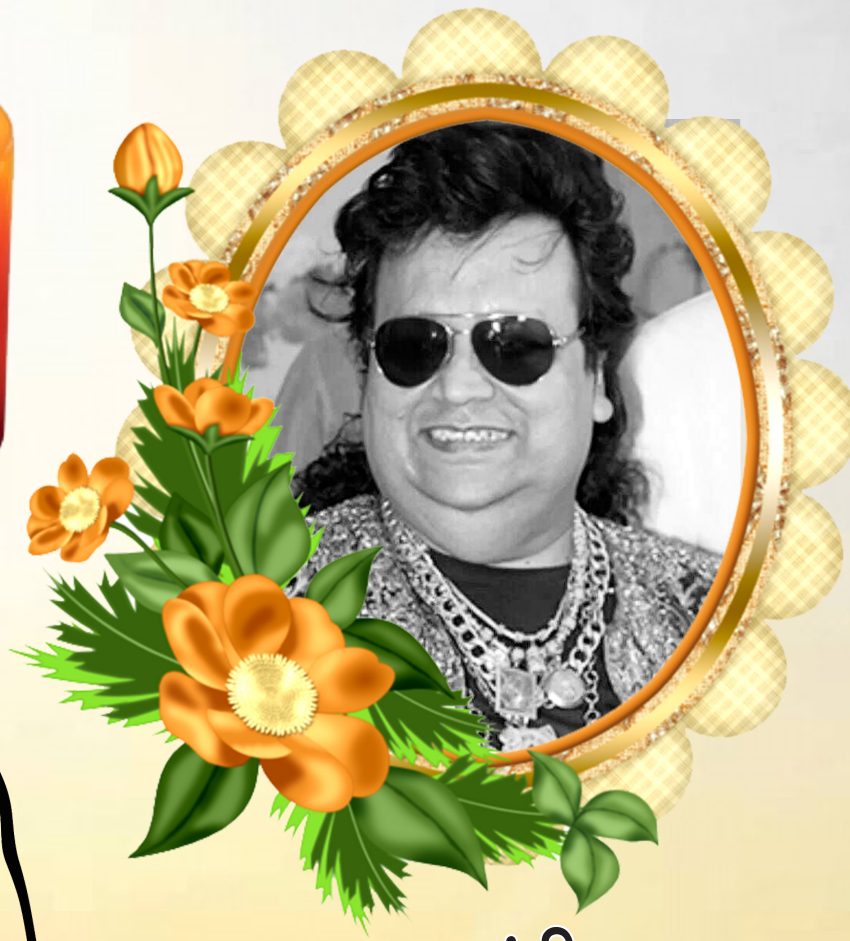

भारतरत्न, स्वर कोकिला
लता मंगेशकर

गायक-संगीतकार
बप्पी लाहिड़ी

दिवंगत पुण्यात्मा को परम प्रभु अपने श्री चरणों का सायुज्य प्रदान करें
तथा परिवारजनों एवं स्नेहीजनों को इस असहनीय दु:ख
को सहन करने की शक्ति प्रदान करे

-: **शोकाकुल** :-

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति